दैनिक

FAC NEWS
फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल
SPEED MULTIMEDIA

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : ०९ | अंक:३०१ | मुंबई, बुधवार २२ अप्रैल २०२६ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

3000 रुपये में पासपोर्ट, विदेश भेजने का खेल, मुंबई में बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर

मुंबई : फर्जी पासपोर्ट और संदिग्ध हवाला नेटवर्क को लेकर क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है. स्पेशल ब्रांच-1 की एंटी टेररिस्ट यूनिट ने कुरार के पठानवाड़ी इलाके में छापेमारी कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान मोहम्मद इस्लाम इस्माइल खान उर्फ सलीम रहमतुल्लाह शेख के तौर पर हुई है. जांच में सामने आया है कि आरोपी के लिए 'सलीम रहमतुल्लाह शेख' नाम से फर्जी पासपोर्ट तैयार करवाया गया था. यह पासपोर्ट महज ₹3000 में बनवाया गया और इसे तैयार कराने में बुट्टन शेख नाम का शख्स अहम कड़ी बताया जा रहा है, जो अब क्राइम ब्रांच के रडार पर है.

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी मूल रूप से आंध्र प्रदेश का रहने वाला है और 1976 में उसका जन्म हुआ था. उसने मुंबई में 12वीं तक पढ़ाई की और फिर 1998 में काम के सिलसिले में कुवैत चला गया, जहां वह ड्राइवर के तौर पर काम करता था. बाद में उसने दावा किया कि एक अरब नागरिक ने उसे लॉन्ड्री का बिजनेस गिफ्ट किया, जिसे बढ़ाकर उसने तीन दुकानों तक पहुंचा दिया. साल 2004 में उसने कुवैत में ही अपना पासपोर्ट रिन्यू भी कराया था. बताया जा रहा है कि पारिवारिक विवादों के चलते वह वापस मुंबई लौटा, जहां उसके खिलाफ कुरार पुलिस स्टेशन में घरेलू हिंसा का मामला भी दर्ज हुआ. इसी दौरान दोबारा कुवैत जाने में दिक्कतें आने लगीं, जिसके बाद उसने 2007 में आंध्र प्रदेश जाकर फर्जी पहचान के साथ नया पासपोर्ट बनवा लिया. जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने मलाड ईस्ट के पठानवाड़ी इलाके में एक एजेंसी शुरू की थी. इस एजेंसी के जरिए कुवैत जाने वालों के इमिग्रेशन से जुड़े काम किए जाते थे. इस काम में उसका बेटा अबू बकर और उसका साथी इरफान भी शामिल थे. पुलिस को शक है कि आरोपी और बुट्टन शेख मिलकर लोगों को फर्जी पासपोर्ट पर विदेश भेजने का नेटवर्क चला रहे थे. जो लोग कुवैत जाना चाहते थे, उन्हें इसी एजेंसी के जरिए प्रोसेस कराया जाता था, भले ही उनके दस्तावेज फर्जी क्यों न हों. अब क्राइम ब्रांच इस बात की जांच कर रही है कि इस रैकेट के जरिए अब तक कितने लोगों के फर्जी पासपोर्ट बनवाए गए और कितनों को अवैध तरीके से विदेश भेजा गया.

एक नारी पूरी बीजेपी पर भारी!

ममता बॅनर्जी से कोलाकाता में पूरी बीजेपी युद्ध स्तर पर लड़ रही है विधानसभा का चुनाव

सईद शेख

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के चुनावी माहौल में केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, मतदाता सूची में बदलाव और सुरक्षा बलों की भारी तैनाती को लेकर सियासत तेज हो गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि चुनाव के दौरान तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर ईडी और आयकर विभाग की छापेमारी की जा रही है, जिससे पार्टी की चुनावी मशीनरी को डराने की कोशिश हो रही है। ममता बनर्जी का कहना है कि उनके उम्मीदवारों, सहयोगियों, यहां तक कि उनके इनकम टैक्स से जुड़े लोगों और सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों तक पर कार्रवाई की गई। हाल ही में कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के घर ईडी की छापेमारी और एक कारोबारी की गिरफ्तारी के बाद यह विवाद और गहरा गया है। इससे पहले भी तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों और उनसे जुड़े लोगों पर आयकर विभाग की कार्रवाई हो चुकी है। इसी बीच चुनाव के दौरान कथित 'ट्रबल मेकर्स' की सूची को लेकर नया विवाद सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार करीब 1000 लोगों की एक सूची तैयार की गई है, जिसमें अधिकतर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और नेताओं के नाम बताए जा रहे हैं। हालांकि इस सूची की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह कदम विपक्षी कार्यकर्ताओं को चुनावी प्रक्रिया से दूर रखने के उद्देश्य से उठाया गया है। मतदाता सूची का मुद्दा भी इस चुनाव में बड़ा विवाद बन गया है। करीब 27 लाख नाम सूची से बाहर होने के बाद मामला Supreme Court of India तक पहुंचा। अदालत के निर्देश के बाद अपील करने वाले मतदाताओं को राहत देने की प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन आरोप है कि अपीलीय ट्रिब्यूनल में सुनवाई प्रभावी ढंग से नहीं हो रही। वहीं फॉर्म-6 के जरिए लाखों नए नाम जोड़े जाने को लेकर भी आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं। तृणमूल कांग्रेस ने इसे 'वोट हाईजैकिंग' बताया है, जबकि विपक्ष ने इन आरोपों को खारिज किया है। चुनाव में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की अभूतपूर्व तैनाती भी चर्चा में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बार ढाई हजार से अधिक कंपनियां तैनात की गई हैं, जो पिछले चुनावों की तुलना में कहीं ज्यादा है। इसे लेकर यह सवाल उठ रहा है कि क्या इतनी बड़ी तैनाती वास्तव में सुरक्षा के लिए जरूरी है या फिर इसका राजनीतिक संदेश भी है। इसके अलावा आचार संहिता उल्लंघन के मामलों में 11,000 से अधिक सोशल मीडिया पोस्ट हटाने और वीआईपी नेताओं की गाड़ियों की तलाशी से जुड़े आरोपों ने भी विवाद को बढ़ाया है। इन घटनाओं के बीच Election Commission of India की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस आयोग पर पक्षपात का आरोप लगा रही है, जबकि आयोग निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव कराने का दावा कर रहा है। कुल मिलाकर, बंगाल का चुनाव इस बार केवल राजनीतिक मुकाबला नहीं, बल्कि चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता की परीक्षा बन गया है। आने वाले नतीजे न सिर्फ सत्ता का फैसला करेंगे, बल्कि इस पूरे चुनावी माहौल पर उठे सवालों का जवाब भी तय करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर में अग्निवीर की शहादत पर केंद्र सरकार की चुप्पी से बॉम्बे हाईकोर्ट नाराज, कहा- जवाब दें वरना

बॉम्बे हाई कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार के प्रति सख्त नाराजगी व्यक्त की है। मामला 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान शहीद हुए अग्निवीर मुरली नाईक की मां द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है। अदालत ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने अगली सुनवाई तक अपना हलफनामा दाखिल नहीं किया, तो उस पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा।

मामला क्या है? अग्निवीर मुरली नाईक पिछले साल मई में जम्मू-कश्मीर में सीमा पार से हुई गोलाबारी में शहीद हो गए थे। उनकी मां ज्योतिबाई नाईक ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है। उनकी मांग है कि अग्निवीरों को भी नियमित सैनिकों के समान ही मरणोपरांत लाभ मिलने चाहिए। याचिका में आरोप लगाया गया है कि केंद्र की 'अग्निपथ योजना' नियमित सैनिकों और अग्निवीरों के बीच एक मनमाना अंतर पैदा करती है, जो संवैधानिक रूप से गलत है।

बॉम्बे हाईकोर्ट की टिप्पणी: बॉम्बे हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति हितेन वेनेगांवकर की खंडपीठ ने इस बात पर हैरानी जताई कि दिसंबर और जनवरी में नोटिस जारी किए जाने के बावजूद केंद्र ने अब तक कोई जवाब दाखिल नहीं किया है। न्यायमूर्ति घुगे ने कहा कि यह याचिका पिछले साल से लंबित है। याचिकाकर्ता ने पिछले साल जुलाई में ही सरकार को पत्र लिखकर ये मुद्दे उठाए थे। अब और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर 6 मई तक जवाब नहीं आया, तो हम भारी जुर्माना लगाएंगे। अदालत ने अब केंद्र को हलफनामा दाखिल करने के लिए 6 मई तक का अंतिम समय दिया है, जबकि मामले की अगली विस्तृत सुनवाई 18 जून को तय की गई है। साथ ही, महाराष्ट्र सरकार को भी अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया है। शहीद की मां का तर्क है कि उनके बेटे ने देश के लिए वही सर्वोच्च बलिदान दिया है जो एक नियमित सैनिक देता है।

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में थम गया चुनाव प्रचार, मतदान 23 अप्रैल को

नई दिल्ली, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में पहले चरण के मतदान से 48 घंटे पहले मंगलवार को चुनाव प्रचार थम गया है। जहां तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। जबकि बंगाल में पहले चरण की 152 सीट पर मतदान होगा। चुनाव प्रचार थमने के बाद किसी भी तरह की सार्वजनिक रैलियों और राजनीतिक प्रचार अब उम्मीदवार नहीं कर सकते हैं। तमिलनाडु में इस बार एक साथ सभी 234 सीटों पर मतदान होगा। इस बार राज्य में कुल 4,023 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इस बार चुनाव में सभी की निगाहें राज्य के चर्चित अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके पर भी है। राज्य की कई सीटों पर टीवीके को काफी समर्थन मिल रहा है। इस चुनाव में कुल 5.73 करोड़ मतदाता अपने मत का प्रयोग करने वाले हैं।

वहीं बंगाल की 152 सीटों पर पहले चरण का मतदान होना है। पहले चरण में कुल 1,478 प्रत्याशी मैदान में हैं। करीब तीन करोड़ 60 लाख 77 हजार 171 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले हैं। इन मतदाताओं में एक करोड़ 75 लाख 77 हजार 210 महिलाएं हैं। इस बार चुनावी प्रचार में महिलाओं से जुड़ा मुद्दा प्रमुखताओं से सभी पार्टियों ने उठाया है। आयोग की जानकारी के मुताबिक, बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 23 अप्रैल को 16 जिलों की 152 सीटों पर मतदान होगा।

क्या कर रहा है गुजरात का गृहमंत्रालय; राजकोट में 2500 करोड़ का सायबर फ्रॉड

एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक के अधिकारियों सहित 20 लोगों को किया गिरफ्तार

चौहान एफ. हुसैन

नई दिल्ली. बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से एक और बड़े साइबर अपराध का खुलासा हुआ है. इसमें तीन प्राइवेट बैंकों के अधिकारियों की मिलीभगत सामने आई है और गुजरात पुलिस ने अब तक 20 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने बताया है कि गुजरात के राजकोट जिले में 2,500 करोड़ रुपये के साइबर फ्रॉड में कथित संलिप्तता के आरोप में प्रमुख निजी बैंकों के तीन अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है. राजकोट (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक विजय गुर्जर ने बताया कि साइबर फ्रॉड के बाद से अब तक इस रैकेट से जुड़े 85 बैंक खातों की पहचान की गई है और साइबरक्राइम पोर्टल पर 535 शिकायतें दर्ज की गई हैं. अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मौलिक कामाणी (यस बैंक, कस्टमर पर्सनल मैनेजर), कल्पेश डांगरिया (एक्सिस बैंक, जामनगर के मैनेजर) और अनुराग बलधा (एचडीएफसी बैंक के पर्सनल बैंकर) के रूप में हुई है. पुलिस ने बताया कि डांगरिया और बलधा पहले यस बैंक में कार्यरत थे.

बैंक को नहीं मिलता था अलर्ट

पुलिस के अनुसार, कामाणी ने पहले गिरफ्तार आरोपियों को संदिग्ध खाते खोलने और प्रबंधित करने में मदद की थी. उन्होंने हाई वैल्यू के लेन-देन पर बैंकिंग अलर्ट को नजरअंदाज करने के लिए अतिरिक्त दस्तावेज जमा कर खातों को सक्रिय रखने में भी सहायता भी की. अधिकारी ने कहा कि कामाणी नकद निकासी में भी शामिल था, जिसे बाद में हवाला चैनलों के जरिए भेजा गया और उसके मोबाइल डिवाइस से डिजिटल सबूत भी मिले हैं.

फर्जी खाते खोलकर दिलाए लोन

एसपी ने बताया कि डांगरिया पर फर्जी और गलत पहचान का इस्तेमाल कर खाते खोलने में मदद करने का आरोप है. उन्होंने दस्तावेजों बनाने में भी मदद की, जिसमें कृषि उपज मंडी समिति (एपीएमसी) से जुड़े कागजात शामिल हैं, ताकि लेन-देन को संदिग्ध न माना जाए. आरोपी बलधा ने रैकेट के तहत सत्यापन और प्रमाणन प्रक्रिया के बाद नए खाते खोले. तीनों आरोपी पुलिस हिरासत में हैं, जबकि अन्य न्यायिक रिमांड के तहत जेल भेज दिए गए हैं. साइबर फ्रॉड से जुड़े कुल लेनदेन 2,500 करोड़ रुपये से अधिक है.

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

राज्य सरकारों पर गंभीर वित्तीय संकट

हिमाचल की सरकार का वित्तीय संकट तेजी के साथ बढ़ता जा रहा है। प्राकृतिक प्रकोप के कारण हिमाचल सरकार के ऊपर खर्च बढ़ा है। केंद्र सरकार से प्राकृतिक आपदा के लिए जो सहायता मिलनी चाहिए थी वह भी नहीं मिली। दरअसल प्राकृतिक आपदा के कारण प्रदेश को भारी नुकसान उठाना पड़ा है, जिसके फलस्वरुप हिमाचल में अब खर्चे में कटौती करनी पड़ रही है। अर्थव्यवस्था बुरी तरह से डगमगा गई है। मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों के वेतन में कटौती की गई है। आगे चलकर इसका असर वेतन, पेंशन विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पड़ना तय है। हिमाचल प्रदेश सरकार का बढ़ता कर्ज, सीमित राजस्व स्रोतों ने हिमाचल को ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा दिया है। यह स्थिति हिमाचल तक सीमित नहीं है। देश के एक दर्जन से अधिक राज्य आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। हर माह उन्हें कर्ज लेना पड़ रहा है। पंजाब, राजस्थान, केरल, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों का कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। कई राज्यों का कुल ऋण उनके सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 30 प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया है। जो राज्यों की वित्तीय स्थिति के लिए खतरे की घंटी है। इन राज्यों की आय का बड़ा हिस्सा वेतन, पेंशन, ब्याज, कर्ज की अदायगी और लोक लुभावन योजनाओं में खर्च हो रही है। जिसके कारण विकास योजनाओं के लिए सरकारी खजाने में राशि ही नहीं है।

समस्या की जड़ में राजनीतिक लोकलुभावन नीतियां हैं। मुफ्त बिजली, सब्सिडी और नकद सहायता जैसी योजनाओं ने राज्य की आर्थिक स्थिति का कबाड़ा कर दिया है। जो आने वाले समय में राजकोषीय संतुलन को बिगाड़ रही हैं। सभी राज्य सरकारों को लगातार कर्ज लेना पड़ रहा है। यही कर्ज धीरे-धीरे राज्यों के वित्तीय संकट के रूप मे सामने आ रहा है। अमेरिका- इजरायल और ईरान युद्ध के बाद भारत सरकार का बजट भी गड़बड़ा रहा है। भारत सरकार को ऊर्जा जरूरत और अन्य जरूरत का बजट लगातार बढ़ता जा रहा है। केंद्र सरकार का राजस्व घट रहा है, इसका असर भी राज्यों की आर्थिक स्थिति में पड़ना तय है। महंगाई, बेरोजगारी और आयात का बढ़ता खर्च केंद्र सरकार के साथ-साथ वित्तीय संस्थाओं के ऊपर भी दिखने लगा है। शेयर मार्केट की गिरावट से वित्तीय संस्थानों में इसका असर दिखने लगा है। रिजर्व बैंक भी इससे अछूता नहीं है। युद्ध के कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं, ब्याजदरों में वृद्धि, विदेशी मुद्रा संकट का असर केंद्र से मिलने वाले राजस्व में कटौती राज्यों की परेशानी बढ़ा रहा है। यदि यही स्थिति तीन-चार महीने और बनी रही, तो आने वाले महीनो में कई राज्य सरकारें कर्ज और खर्च के जाल में फंस सकती हैं। कई राज्य अभी भी नया कर्ज पुराने कर्ज को चुकाने के लिए लेने को विवश हो रहे हैं।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप भाजपा नगरसेवक पर बलात्कार का मामला दर्ज

आरोप लगाने वाली महिला पर ब्लॅकमेल कर वसूली का काऊंटर केस दर्ज

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा-भायंदरः मीरा रोड पुलिस ने भाजपा नगरसेवक लक्ष्मण जंगम के खिलाफ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोप में मामला दर्ज किया है, जिससे क्षेत्र में राजनीतिक हलचल मच गई है।

शिकायत के अनुसार, आरोपी ने जुलाई 2022 में महिला को मीरा रोड पूर्व स्थित अपने कार्यालय में बुलाया और शादी का वादा कर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता का आरोप है कि विरोध के बावजूद आरोपी ने कार्यालय, लॉज और अन्य स्थानों पर बार-बार उसकी इच्छा के विरुद्ध संबंध बनाए।

महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान हो गई। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 69 (छलपूर्वक शारीरिक संबंध) और 351(2) (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया है।

मामले में शुरुआती देरी को लेकर पुलिस पर सवाल उठे थे, हालांकि मीडिया में मामला आने के बाद कार्रवाई की गई। घटना के बाद राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं और आरोपी पर सख्त कार्रवाई की मांग

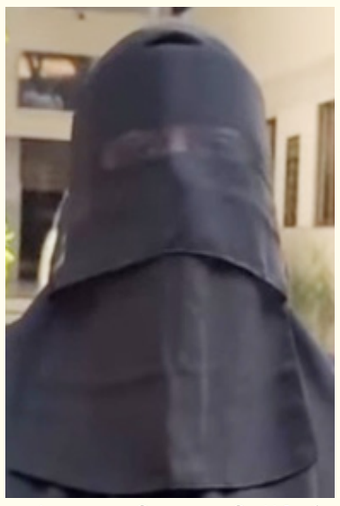

की जा रही है। इसी बीच, लक्ष्मण जंगम ने नवघर पुलिस स्टेशन में महिला के खिलाफ काउन्टर शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि वह महिला उन्हें पिछले चार वर्षों से जानती है, लेकिन हाल ही में उसने उन्हें परेशान करना शुरू किया।

जंगम का दावा है कि महिला ने कथित 'आपत्तिजनक फोटो और वीडियो' के जरिए उन्हें ब्लैकमेल करते हुए 3 बीएचके फ्लैट, एक दुकान और लग्जरी कार की मांग की, तथा मांग पूरी न होने पर राजनीतिक करियर बर्बाद करने की धमकी दी। उन्होंने दुष्कर्म के आरोपों को पूरी तरह झूठा और साजिश करार दिया है।

नवघर पुलिस ने महिला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(3) (वसूली) के तहत मामला दर्ज किया है।

मीरा भायंदर-वसई विरार (MBVV) पुलिस दोनों मामलों की एक साथ जांच कर रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, कॉल रिकॉर्ड और डिजिटल साक्ष्य जुटा रही है, साथ ही दोनों पक्षों के विस्तृत बयान दर्ज किए जा रहे हैं। मामले की जांच वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में जारी है।

प्रेम संबंध बना खूनी टकरावः पति ने पत्नी के प्रेमी की चाकू मारकर की हत्या

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा-भायंदरः भायंदर पश्चिम में एक सनसनीखेज घटना में पति ने अपनी अलग रह रही पत्नी के प्रेमी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता नैना रोहित पवार (31) ठाणे के नारायण नगर स्थित अपने मायके में रहती हैं। उनकी शादी वर्ष 2013 में रोहित पवार से हुई थी, लेकिन आपसी विवादों के चलते वर्ष 2019 से दोनों अलग रह रहे हैं। नैना अपनी 11 वर्षीय बेटी के साथ अपने माता-पिता के साथ रह रही हैं।

इसी दौरान नैना का राकेश मोरजारिया नामक युवक के साथ पिछले तीन वर्षों से प्रेम संबंध था। दोनों विवाह करना चाहते थे, लेकिन कानूनी रूप से तलाक न होने के कारण यह संभव नहीं हो सका।

19 अप्रैल को नैना अपनी बेटी के पुराने सोने के झुमके बदलवाने के लिए भायंदर स्थित एक ज्वेलरी दुकान गई थीं। ये झुमके उनके पति रोहित ने पहले बनवाए थे। इस बात को लेकर नैना और रोहित के बीच फोन पर विवाद हुआ, जिसमें रोहित ने कथित रूप से अपशब्दों का इस्तेमाल किया।

अगले दिन, 20 अप्रैल की सुबह करीब 10 बजे रोहित पवार, राकेश के कार्यस्थल पर पहुंचा। वहां दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही

देखते हिंसक झड़प में बदल गई। इसी दौरान रोहित ने चाकू निकालकर राकेश पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

राकेश को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार होने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वहां मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से उसे पकड़ लिया गया। इस मामले में नैना पवार की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी रोहित पवार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

हाजी अली के पास तेज़ रफ्तार बाइक की टक्कर से स्ट्रीट वेंडर की मौत, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई : साउथ मुंबई क्षेत्र में हाजी अली के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में 60 वर्षीय स्ट्रीट वेंडर की मौत हो गई। एक तेज़ रफ्तार मोटरसाइकिल ने पैदल जा रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी बाइक सवार को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक की पहचान बाबू फैमुद्दीन शेख (60) के रूप में हुई है, जो ताड़देव स्थित लाला लाजपतराय गार्डन इलाके में रहते थे। वे हाजी अली सिग्नल के पास छोटी-मोटी फेरी लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। पीड़ित के बेटे अकरम बाबू शेख (35) ने पुलिस में दर्ज शिकायत में बताया कि यह हादसा रात करीब 10 बजे के.के. रोड, हाजी अली के पास एक सुलभ शौचालय के समीप हुआ। उसी दौरान एक अनजान तेज़ रफ्तार बाइक ने उनके पिता को टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया।

EKATA MANCH Hands to serve

एकता मंच की तरफ से
प्यार भरी सौगात

स्वास्थ्य तथा कर्क रोग (कैंसर)
से संबंधित मुफ्त वैद्यकीय शिबिर

रक्त दान कीजिए जीवन बचाइये। रक्त दान शिबिर रक्त दान कीजिए जीवन बचाइये।

सामान्य जाँच तथा दवाओं का मुफ्त वितरण।
आँख की जाँच तथा चश्में का मुफ्त वितरण।
रक्त समूह (खूनग्रुप), शूगर तथा खून की पूर्ण जाँच।
गठियाए रीढ़ की समस्याएंए बोन डेंसिटोमेट्री
किडनी तथा प्रोस्टेट से संबंधित जाँच।
महिलाओं से संबंधित रोगों की जाँच।
फेफड़ा एवं साँस से संबंधित जाँच।
बच्चों से संबंधित रोगों की जाँच।
कान, नाक तथा गले की जाँच।
आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं जाँच।
यूनानी चिकित्सा एवं जाँच।
वैरिकोज नसों की जाँच।
कैंसर की जाँच।
दाँतों की जाँच।
ई.सी.जी।

14 अप्रैल 2026
समय - सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक
स्थान:- चिल्ड्रेन वेल्फेअर सेंटर हाईस्कूल,
यारी रोड, वर्सोवा, अंधेरी (पश्चिम), मुंबई -400 061.

प्रशांत काशिद 9821362625

DESIGNER FURNITURE SETS
BWR PLYWOOD FURNITURE
WARDROBES
TV UNIT
COFFEE TABLE
BED
STORAGE
SHOE UNIT

The RISA Co

VISIT OUR WEBSITE
www.therisaco.com
+91 9892528992

'बस तेरा ही इंतज़ार' को मिल रहा जबरदस्त प्यार – टीज़र से लेकर फुल सॉन्ग तक दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स

मुंबईः M K Films & Television Production के बैनर तले बना रोमांटिक गीत 'बस तेरा ही इंतज़ार' रिलीज़ के साथ ही चर्चा में बना हुआ है। इस गाने का टीज़र 5 अप्रैल 2026 को रिलीज़ किया गया था, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। वहीं, कल जब इसका फुल सॉन्ग रिलीज़ हुआ, तो उसे भी शानदार रिस्पॉन्स मिला और दर्शकों ने इसे दिल से सराहा।

इस गाने को एम के राजपूत और एम आर खान ने प्रोड्यूस किया है, जबकि निर्देशन की कमान एम आर खान ने संभाली है। गाने में मुख्य भूमिका में माही खान और एम आर खान नजर आ रहे हैं। खास बात यह है कि माही खान ने एसोसिएट डायरेक्टर, कोरियोग्राफर, कॉस्ट्यूम डिजाइनर और क्रिएटिव डायरेक्टर के रूप में भी अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाई है। गाने का म्यूजिक और लिरिक्स AI बाबा मस्ती ने तैयार किए हैं, जबकि अपनी आवाज़ AI सुमन मस्तानी ने दी है। सिनेमैटोग्राफी (DOP) दीपक ओम कुमार ने संभाली है, मेकअप साजेद ने किया है और एडिटिंग का काम अंश कुमार चनाई ने बखूबी निभाया है।

निर्देशक एम आर खान ने कहाः 'शूट के दौरान बहुत मज़ा आया। माही खान ने उम्मीद से कहीं ज्यादा बेहतरीन काम किया। उनकी परफॉर्मेंस देखकर बहुत अच्छा लगा।'

प्रोड्यूसर एम के राजपूत ने भी माही खान की तारीफ करते हुए कहाः 'ऐसे कलाकार बहुत कम देखने को मिलते हैं जो अपने काम को इतनी ईमानदारी और मेहनत से करते हैं। माही खान वाकई में एक शानदार कलाकार हैं।' वहीं, माही खान ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहाः 'एम आर खान के साथ काम करके मुझे बहुत अच्छा लगा और मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। यह अनुभव मेरे लिए बेहद खास रहा।' 'बस तेरा ही इंतज़ार' एक ऐसा रोमांटिक गीत है, जो अपनी भावनात्मक गहराई और खूबसूरत प्रस्तुति के चलते दर्शकों के दिलों में खास जगह बना रहा है। टीज़र से लेकर फुल रिलीज़ तक मिल रहा अपार प्यार इस बात का प्रमाण है कि यह गाना लोगों के दिलों को छू रहा है। यह गाना अब YouTube पर उपलब्ध है और तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया

गुजरात टाइटंस की टीम को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस हार से निराश टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इसके लिए गेंदबाजों का जिम्मेदार बताया। शुभमन ने कहा कि हमने काफी ज्यादा रन दे दिये थे। बीच के ओवरों में हमें अच्छी गेंदबाजी करनी चाहिये थी पर उसमें हम विफल रहे। हमारे गेंदबाज विरोधी टीम पर अंकुश नहीं लगा पाये। इस मैच में टीम की बल्लेबाजी भी खराब रही और वह लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 100 रन ही बना पायी। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा ने पावरप्ले में 3 विकेट लिए, पर तिलक वर्मा के शतक से मुंबई ने 199 रनों का अच्छा खासा स्कोर बना लिया।

मैच के बाद गिल ने कहा कि हमारी टीम मुम्बई के बल्लेबाजों को रोक नहीं पायी। पिच थोड़ी धीमी थी जिस पर हमने काफी रन लुटा दिये पर इसके बाद भी हमें इस मैच से काफी कुछ सीखने को मिला है। साथ ही कहा कि यह हार टीम के लिए एक सबक है। सभी को समझना होगा कि एक गलती उन्हें पीछे कर सकती है विशेषकर जब वे घरेल मैदान की जगह पर अन्य स्थलों पर उतरेंगे तब उन्हें सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा, 'अब हमारे पास बाहर के कुछ मैच हैं, उम्मीद है कि हम फिर से जीत की राह पर लौटेंगे। मुझे लगता है कि विकेट थोड़ा धीमा था। हम सही क्षेत्र में गेंदबाजी नहीं कर पाए। हमें मध्य के ओवरों में लगातार उसी लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी, जो हम नहीं कर पाए।'

वहीं टीम बल्लेबाजी में भी असफल रही जबकि दूसरी पारी में ओस के कारण बल्लेबाजी थोड़ी आसान हो गई थी। इस मैच में मुंबई इंडियंस ने गुजरात को 99 रन से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने पांच विकेट पर 199 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टीम 100 रन ही बना पायी। इस मैच में जीत के साथ ही मुम्बई की पिछले चार मैचों से हार का सिलसिला जरुर थम गया है।

मराठी सीखो या शहर छोड़ो?' मुंबई में सख्ती पर सियासी संग्राम

भाषा की शर्त या रोज़गार पर वार? शहर में रिक्शा चालकों का डर

मुंबई। शहर में ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्य करने के मुद्दे ने अब ज़मीनी स्तर पर बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। राज्य सरकार की सख्ती के संकेतों के बीच गैर-मराठी चालकों में डर, असमंजस और नाराज़गी साफ दिखाई दे रही है। वर्षों से शहर में रोज़ी-रोटी कमा रहे कई चालकों का कहना है कि अचानक भाषा को शर्त बनाने से उनका रोजगार खतरे में पड़ गया है। उनका कहना है कि अगर मराठी नहीं आने पर लाइसेंस रद्द किया गया तो उन्हें मजबूरी में मुंबई छोड़नी पड़ेगी। वहीं दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर यह भी आवाज उठ रही है कि महाराष्ट्र में काम करने वालों को मराठी आनी ही चाहिए। इसे केवल भाषा नहीं बल्कि सम्मान और संवाद का विषय बताया जा रहा है। कई लोगों का मानना है कि मराठी आने से यात्रियों और चालकों के बीच बेहतर समझ बनेगी और स्थानीय संस्कृति का भी सम्मान होगा। चालकों की दलील है कि मुंबई जैसे शहर में रोजमर्रा का काम हिंदी में आसानी से चल जाता है, इसलिए कभी मराठी सीखने की ज़रूरत महसूस नहीं हुई। उनका कहना है कि अगर लोग उनसे मराठी में बात करें तो वे भी धीरे-धीरे सीख सकते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि ज्यादातर बातचीत हिंदी में ही होती है, जिससे सीखने का माहौल नहीं बन पाता। इस

पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पहलू रोज़गार से जुड़ा है। कई चालकों का कहना है कि भाषा सीखना गलत नहीं है, लेकिन इसके लिए समय, प्रशिक्षण और व्यवस्था जरूरी है। सीधे लाइसेंस रद्द करने जैसी चेतावनी को वे कठोर कदम मानते हैं। उनका सुझाव है कि सरकार को प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने चाहिए ताकि लोग व्यवस्थित तरीके से मराठी सीख सकें। कई चालकों ने यह भी कहा कि वे मराठी सीखने को तैयार हैं और अब मोबाइल या अन्य माध्यमों से कोशिश भी शुरू कर दी है, लेकिन कम समय में इसे अनिवार्य करना उनके लिए मुश्किल है। इस बीच कुछ लोगों ने यह भी सवाल उठाया है कि अगर नियम सख्ती से लागू किया गया तो हजारों लोगों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो सकता है। मुंबई जैसे बहुभाषी शहर में यह विवाद अब केवल भाषा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि 'स्थानीय पहचान बनाम रोज़गार' की बहस में बदल गया है। एक ओर मराठी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने की बात है, तो दूसरी ओर उन लोगों की चिंता है जो सालों से यहां काम कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। अब नजर इस बात पर है कि सरकार इस संतुलन को कैसे साधती है, क्योंकि यही तय करेगा कि यह फैसला व्यवस्था मजबूत करेगा या नए टकराव को जन्म देगा।

ई-गवर्नेंस में उत्कृष्ट कार्य के लिए मीरा-भायंदर महानगरपालिका को राज्यस्तरीय तृतीय पुरस्कार

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा-भायंदरः ई-गवर्नेंस (ई-ऑफिस) के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए मीरा-भायंदर महानगरपालिका को 'राजीव गांधी प्रशासनिक गतिशीलता अभियान एवं प्रतियोगिता 2025-26' के अंतर्गत राज्यस्तरीय तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस प्रतियोगिता में राज्य की 29 महानगर पालिकाओं ने भाग लिया था, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मीरा-भायंदर ने यह स्थान हासिल किया।

21 अप्रैल 2026 को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों महानगर पालिका को सम्मानचिह्न, प्रमाणपत्र तथा ₹4 लाख का धनादेश प्रदान किया गया। यह पुरस्कार महानगरपालिका आयुक्त राधाबिनोद शर्मा और आईटी विभाग के सिस्टम मैनेजर राज घरत ने स्वीकार किया।

महानगरपालिका ने केंद्र सरकार की डिजिटल इंडिया मिशन के तहत नॅशनल Informatics Centre द्वारा विकसित ई-ऑफिस प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया है। मात्र 60 दिनों में सभी विभागों में 100% ई-ऑफिस लागू करने वाली यह महाराष्ट्र की पहली महानगरपालिका बन गई है, जिसे NIC से प्रमाणन भी प्राप्त हुआ है।

ई-ऑफिस प्रणाली के जरिए प्रशासनिक कार्य, पत्राचार, फाइल मूवमेंट, अनुमोदन प्रक्रिया और रिकॉर्ड प्रबंधन पूरी तरह डिजिटल हो गया है। अब तक 1.49 लाख से अधिक रिकॉर्ड और 8,800 से अधिक फाइलों का डिजिटल निपटारा किया जा चुका है। लगभग 90% मामलों का निपटारा 3 दिनों के भीतर, जबकि फाइलों का औसत निपटान 7 दिनों में किया जा रहा है।

प्रक्रिया में सुधार कर अनुमोदन के चरण 20-25 से घटाकर 4-5 कर दिए गए हैं, जिससे कार्यक्षमता और समन्वय में वृद्धि हुई है। साथ ही रियल-टाइम MIS मॉनिटरिंग, डिजिटल सिग्नेचर और आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

पेपरलेस प्रणाली अपनाने से कागज, समय और लागत में बचत करते हुए लगभग ₹4 करोड़ की आर्थिक बचत हुई है। नियमित प्रशिक्षण और प्रभावी क्रियान्वयन के चलते नागरिकों को तेज, पारदर्शी और भरोसेमंद सेवाएं मिल रही हैं, जिससे प्रशासन के प्रति विश्वास भी मजबूत हुआ है।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर आध्यात्मिक आयोजन, सेवा और मानवता का दिया संदेश

अमोल सूर्यवंशी

अमरावती। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शहर की एक सेवा-निष्ठ संस्था में विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह संस्था लंबे समय से बेघर और जरूरतमंद लोगों को आश्रय देने के साथ निरंतर सेवा कार्यों में सक्रिय है। कार्यक्रम का आयोजन चंद्रकुमार जाजोदिया उर्फ लप्पीभैया के मार्गदर्शन में उनकी टीम द्वारा किया गया। इस अवसर पर इस्कॉन के पूज्य मधुपति दास महाराज ने प्रेरणादायी प्रवचन देते हुए धर्म, सेवा और मानवता के मूल्यों पर विस्तार से मार्गदर्शन किया। उनके विचारों ने उपस्थित लोगों को गहराई से प्रभावित किया और आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की। कार्यक्रम में निलेश चंद्र जैन मुनि महाराज, नगरसेवक किशोर जाधव, इंद्राणुज प्रभु, राजन आडतिया सहित कई गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। संस्था का संचालन ज्योति राठौड़ और राजू बासड़माते द्वारा किया जाता है, जिन्होंने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान 70 से अधिक बेघर लोगों ने प्रवचन का लाभ उठाया। कार्यक्रम में सभी उपस्थितजनों को हरिनाम का प्रसाद वितरित किया गया। साथ ही भक्त पुंडलिक के जीवन और उनकी भक्ति पर आधारित चित्रपट के माध्यम से प्रेरणादायक संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने समाजसेवा और जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

वसई में फिशरीज़ ट्रेनिंग सेंटर के लिए जमीन चयन के निर्देश

वसई : महाराष्ट्र सरकार ने मत्स्य क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए एक नया कदम उठाया है। इसके तहत नितेश राणे ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि पालघर जिले के वसई में प्रस्तावित फिशरीज़ ट्रेनिंग सेंटर के लिए उपयुक्त भूमि की पहचान की जाए। मंत्री राणे ने यह भी कहा कि चिन्हित की गई जमीन का विस्तृत प्रस्ताव तुरंत राजस्व विभाग (रेवेन्यू डिपार्टमेंट) को भेजा जाए, ताकि आगे की प्रशासनिक और तकनीकी कार्रवाई तेजी से पूरी की जा सके।

यह निर्देश मंत्रालय में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान दिए गए, जिसकी अध्यक्षता स्वयं नितेश राणे ने की। बैठक में वसई में फिशरीज़ ट्रेनिंग सेंटर स्थापित करने के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई और परियोजना की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में स्नेहा दुबे और प्रेरणा देशभरता सहित मत्स्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने परियोजना से जुड़े तकनीकी पहलुओं और संभावित स्थानों की जानकारी प्रस्तुत की।

मंत्री राणे ने कहा कि वसई क्षेत्र में फिशरीज़ ट्रेनिंग सेंटर स्थापित होने से स्थानीय युवाओं को मत्स्य पालन और उससे जुड़े व्यवसायों में प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इससे रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे और मत्स्य क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जमीन चयन की प्रक्रिया पारदर्शी और तेज़ होनी चाहिए, ताकि परियोजना में किसी प्रकार की देरी न हो। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि ट्रेनिंग सेंटर में आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, जिससे युवाओं को बेहतर कौशल विकास मिल सके। सरकारी सूत्रों के अनुसार, प्रस्तावित फिशरीज़ ट्रेनिंग सेंटर में मत्स्य पालन, नाव संचालन, मछली संरक्षण, प्रसंस्करण और विपणन से जुड़ी आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह केंद्र क्षेत्रीय मछुआरों और युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। बैठक के दौरान परियोजना की समयबद्ध प्रगति पर भी चर्चा की गई और संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर काम करने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य मत्स्य क्षेत्र को आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाना है। यह परियोजना पूरी होने के बाद वसई और आसपास के क्षेत्रों में मत्स्य उद्योग को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। साथ ही यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी सहायक होगी।

मुंबई से 68KM दूर आशियाना, बार गर्ल से बनी 'ड्रग्स क्वीन', फ्लैट में 6 करोड़ का 'मर्सिडीज' वाला नशा

मुंबईः नेस्को ड्रग्स पार्टी मामले के बाद पुलिस ने पार्टी ड्रग्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है. एंटी नारकोटिक्स सेल को साकीनाका से जब्त 200 एक्स्टेसी गोलियों का टिटवाला कनेक्शन मिला. नार्को की टीम टिटवाला पहुंची, जहां पद्मावती रॉयल सोसायटी से ए. पॉल नाम की महिला को गिरफ्तार किया. उसके घर से 6 करोड़ रुपये की 5 हजार एक्स्टेसी गोलियां बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया.

नेस्को कॉन्सर्ट ड्रग्स केस सामने आने पर एंटी नारकोटिक्स सेल हरकत में आई. दूसरे ही दिन घाटकोपर यूनिट के इनचार्ज पुलिस इंस्पेक्टर अनिल ढोले और उनकी टीम ने साकीनाका में छापा मारकर 200 एक्स्टेसी गोलियां जब्त की थीं. इस स्टॉक को रखने वाले इरफान अंसारी को गिरफ्तार किया गया. उसकी पूछताछ में पॉल का नाम सामने आया. पॉल पहले कल्याण में रहती थी और दो महीने पहले ही टिटवाला शिफ्ट हुई थी.

कैसे पहुंची घर तक पुलिस

डिप्टी कमिश्नर नवनाथ धवले की टीम लगातार तीन दिनों तक टेक्निकल सबूतों को इकट्ठा करती रही. फिर टीम टिटवाला स्थित उसके कॉम्प्लेक्स तक पहुंची, लेकिन वहां उसके घर का पता लगाना एक चुनौती था. आखिरकार शनिवार रात टीम ने उसके घर पर छापा मारा. घर से 6 करोड़ रुपये की 5 हजार एक्स्टेसी गोलियां मिलने से पुलिस भी हैरान रह गई. पॉल को अंदाजा नहीं था कि पुलिस उस तक पहुंच सकती है, इसलिए वह बेफिक्र थी. पुलिस ने इरफान के बाद सुफियान नामक आरोपी को भी गिरफ्तार किया, जो पॉल और इरफान के बीच कड़ी था. उसी के जरिए पुलिस पॉल तक पहुंची.

डांस बार गर्ल से ड्रग्स क्विन

पॉल पहले डांस बार में काम करती थी. वहां से निकलने के बाद वह ड्रग्स सप्लायर बन गई. उसकी दो शादियां हो चुकी हैं. उसका एक पति आपराधिक प्रवृत्ति का है. पुलिस उसकी पूरी हिस्ट्री खंगाल रही है.

घर में 4-5 फोन और 7-8 सिम कार्ड

जांच टीम को उसके घर से 4 से 5 मोबाइल फोन और 7 से 8 सिम कार्ड मिले. वह पार्टी ड्रग्स की सप्लाई के लिए अलग-अलग नंबरों का अस्थायी रूप से इस्तेमाल करती थी. उसके फोन से बड़े रैकेट का खुलासा होने की संभावना है. वहीं, उसके घर से मिले गोलियों पर मर्सिडीज, डॉलर समेत अलग-अलग चिन्ह और अक्षर बने हुए हैं. इससे पहले नेस्को ड्रग्स पार्टी में जब्त गोलियों पर मर्सिडीज का निशान था, जबकि वर्ली पुलिस द्वारा जब्त गोलियों पर ऑडी का निशान मिला था. इरफान की गिरफ्तारी की जानकारी पॉल को नहीं थी. उसे लगता था कि पुलिस कभी भी उस तक नहीं पहुंच पाएगी, इसलिए उसने इतना बड़ा स्टॉक अपने घर में ही रखा हुआ था.

कमाठीपुरा की नई तस्वीर, जर्जर इमारतों की जगह लेंगे आलीशान टावर; मिटेगा दशकों पुराना 'कलंक'

मुंबई : कमाठीपुरा के इतिहास में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। इस इलाके की मशहूर 15 गलियां (लेन) अब सिमटकर छह से आठ चौड़ी गलियों में बदल जाएंगी, और ज्यादातर गलियों के नाम भी बदल जाएंगे। यहां सिर्फ कुछ ही जगहों पर 'कमाठीपुरा' नाम दिखाई देगा, जबकि एक बगीचा और एक म्यूरल इसकी कहानी को आने वाली पीढ़ियों के लिए सहेजकर रखेंगे। यह कहानी मुंबई की पहचान का एक जटिल, फिर भी अहम हिस्सा है।

अपने विवादित अतीत को देखते हुए, कई निवासी चाहते हैं कि कमाठीपुरा अपनी पुरानी 'रेड-लाइट डिस्ट्रिक्ट' वाली पहचान को पीछे छोड़ दे। जैसे-जैसे यहां पुनर्निर्माण का काम आगे बढ़ रहा है, स्थानीय लोग अपने विधायक अमीन पटेल से मिलकर यह गुजारिश कर रहे हैं कि, इस इलाके के नाम और इसकी छवि को बदला जाए। हालांकि, नागरिकों का एक तबका यह भी मानता है कि मुंबई के इतिहास में इस इलाके की जो जगह है, उसे सुरक्षित रखा जाना चाहिए।

34 एकड़ में फैली है 15 संकरी गलियां

दरअसल, ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण इस इलाके का बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण होने जा रहा है। 'मुंबई बिल्डिंग रिपेयर्स एंड रिकंस्ट्रक्शन बोर्ड' (ईँ) ने लगभग 8000 निवासियों के लिए स्थायी और सुरक्षित घरों का निर्माण करने की योजना बनाई है, इसके साथ ही लगभग 800 जमीन मालिकों को मुआवजा देने का भी प्रस्ताव रखा है।

मजदूरी करने आए लोगों को सबसे पहले बसाया गया था

इतिहासकारों की माने तो कमाठीपुरा को पुराने 'फोर्ट' इलाके के उत्तरी छोर के पास स्थित एक दलदली जमीन पर बसाया गया था। यहां सबसे पहले तेलुगू भाषी प्रवासी आकर बसे थे, जिन्हें 'कामाठी' कहा जाता था; ये लोग निर्माण-कार्य में मजदूरों के तौर पर काम करते थे। बाद में, जैसे-जैसे मिलों और बंदरगाह से जुड़ी गतिविधियों में तेजी आई, यहां के कई निवासी औद्योगिक क्षेत्र में काम करने लगे। समय के साथ, यहां यौन-कर्म का धंधा भी पनपने लगा, और कमाठीपुरा मुंबई के सबसे बड़े 'रेड-लाइट डिस्ट्रिक्ट' के तौर पर जाना जाने लगा।

निवेश के नाम पर व्यापारी से 3.25 करोड़ की ठगी, बंधकर बनाकर मारपीट भी की

मुंबई : एक व्यवसायी से धोखाधड़ी और जबरन वसूली कर करीब 3.25 करोड़ रुपये ठगने का मामला सामने आया है। इसके साथ ही मारपीट करने की भी बात कही जा रही है। मामले को लेकर एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि नौ सदस्यों वाले एक अंतरराज्यीय आपराधिक गिरोह ने इस घटना को अंजाम दिया। विले पार्ले पुलिस स्टेशन के अधिकारी के अनुसार, सभी नौ आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया है। इन आरोपियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया कि ये आरोपी मुंबई, ओडिशा, बिहार और झारखंड के रहने वाले हैं।

जुलाई 2025 से आरोपियों के संपर्क में थे

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता एक निजी कंपनी चलाता है, जुलाई 2025 में 9 आरोपियों में से चार के संपर्क में आया था। उन लोगों ने खुद को ब्रोकर बताया था। अधिकारी के अनुसार, इस गिरोह ने 'आर्कशिप ग्रुप' नाम की एक कंपनी में निवेश करने के लिए व्यवसायी को मना लिया, और उसे भारी मुनाफे का वादा किया।

उनकी बातों में आकर, व्यवसायी ने ऑनलाइन 1 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए। हालांकि, बाद में उसे पता चला कि वह रकम 'मानव धर्मयोग' नाम के एक ञउ के खाते में भेजी गई थी। वहीं, जब पीड़ित ने आरोपियों से इस बारे में पूछा, तो उसे अपनी कंपनी के जनरल मैनेजर के साथ विले पार्ले में वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के पास एक होटल में मीटिंग के लिए बुलाया गया।

मीटिंग के लिए बुलाया फिर लूटे रुपये

अधिकारी ने बताया कि होटल में, गिरोह के सदस्यों ने कथित तौर पर उन दोनों के साथ मारपीट की और बंदूक की नोक पर उन्हें धमकाया। इसके बाद गिरोह ने 3 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी, और धमकी दी कि अगर व्यवसायी ने पैसे नहीं दिए तो वे उसे जान से मार देंगे। अपनी जान के डर से, उसने आरोपियों द्वारा दिए गए बैंक खातों में ऑनलाइन लगभग 2.25 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए।

वडाला में आग से निजी बसों का नुकसान

मुंबई : मुंबई के वडाला इलाके में स्थित आरटीओ पार्किंग में सोमवार को दोपहर में अचानक आग लगने से यहां खलबली मच गई। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। इस घटना में तीन निजी बसें जलकर खाक हो गई है। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

फायर ब्रिगेड के अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि मुंबई के वडाला टीटी इलाके में स्थित आरटीओ पार्किंग खड़ी बसों में आग लगने सूचना मिली थी। इसी जानकारी के बाद उनकी टीम मौके पर पहुंची और तीनों बस में लगी आग बुझा दिया है।

वडाला पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि पार्किंग स्थल पर पहले एक बस में आग लगी थी। देखते ही देखते यह आग तीन अन्य बसों तक पहुंच गई।

मौके पर तत्काल अन्य बसों को हटा दिया गया था, जिससे यहां ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। आग लगने के कारणों का पता लगाने का प्रयास जारी है।

कानून की आड़ में लूट बंद

पैसे उगाहने वाले ट्रैफिक पुलिसकर्मी निलंबित, डीसीपी हिम्मत जाधव ने दिखाई कड़ी कार्रवाई

मुन्ना मुजावर

पुणेः डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस हिम्मत जाधव ने ट्रैफिक ब्रांच के दो पुलिसवालों को सस्पेंड करने का आदेश दिया है, जो ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सज़ा देने के बजाय उनसे पैसे वसूल रहे थे। सोशल मीडिया पर वीडियो क्लिप वायरल होने के बाद, घटना को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की गई।

सस्पेंड किए गए लोगों के नाम पुलिस कांस्टेबल अंकुश रामा पवार और लक्ष्मण बालाजी रामगड़े हैं। पवार और रामगड़े सहकारनगर ट्रैफिक ब्रांच में पोस्टेड हैं। 19 अप्रैल को, दोनों शारदा आर्केड चौक पर ट्रैफिक कंट्रोल कर रहे थे। वे सिग्नल तोड़ने वाले दोपहिया वाहन सवारों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे थे। जब कार्रवाई चल रही थी, तो एक दोपहिया वाहन सवार ने इस घटना को अपने मोबाइल फोन पर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। इसके बाद, घटना को गंभीरता से लेते हुए, ट्रैफिक ब्रांच के अधिकारियों ने दोनों के बयान दर्ज किए। पता चला कि ट्रैफिक कंट्रोल करने वाले पुलिसवाले पवार और रामगड़े ने तीन गाड़ी चलाने वालों से ऑनलाइन अपने अकाउंट में 500 रुपये जमा किए थे।

सज़ा के बजाय, पता चला कि उन्होंने पैसे अपने अकाउंट में जमा कर लिए थे। डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस हिम्मत जाधव ने पवार और रामगड़े को सस्पेंड करने का आदेश दिया, उन पर अनुशासनहीन, गैर-ज़िम्मेदार होने और पुलिस फ़ोर्स की इमेज खराब करने का आरोप लगाया।

भीड़ में कार्रवाई

ट्रैफ़िक पुलिस शहर के बड़े चौराहों और सड़कों पर अनुशासनहीन ड्राइवरों के खिलाफ़ कार्रवाई करती है। ट्रैफ़िक रेगुलेशन को प्राथमिकता देने के बजाय, ट्रैफ़िक पुलिस अक्सर भीड़ में रोककर कार्रवाई करती है। इस बारे में लोगों ने पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार से शिकायत की थी। उसके बाद, पुलिस कमिश्नर ने चेतावनी दी कि अगर पुलिस वाले भीड़ में कार्रवाई करते पाए गए तो कार्रवाई की जाएगी।

पुणे में टकराव तेजः नगर निगम ने जिला पुलिस पर कसा शिकंजा, नोटिस के पीछे की वजह आई सामने

मुन्ना मुजावर

पुणेः यह बात सामने आई है कि कानून न मानने वालों पर कार्रवाई करने वाली पुलिस ने ही नियमों को नज़रअंदाज़ किया है। यह बात सामने आई है कि चतुश्रृंगी पहाड़ी से जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय, अभिमानश्री सोसायटी से बानेर रोड की ओर जाने वाले प्राकृतिक नाले को जिला पुलिस ने ही बंद कर दिया है। इससे अभिमानश्री और इलाके की सोसायटियों में बारिश का पानी घुसने का खतरा पैदा हो गया है। इस संदर्भ में, नगर निगम आयुक्त नवल किशोर राम ने पुलिस को तुरंत नोटिस भेजने का आदेश दिया है।पुलिस द्वारा कंस्ट्रक्शन के लिए इस नाले को बंद किया जा रहा है। इसलिए, चूंकि इस इलाके में बाढ़ की संभावना है, इसलिए नगर निगम आयुक्त राम ने कदम उठाए हैं। नगर निगम में विपक्ष के नेता नीलेश निकम ने इस संबंध में राम को एक ज्ञापन दिया था और उचित कार्रवाई की मांग की थी। इस इलाके में रहने वाली सोसायटियों के नागरिकों ने नगर निगम आयुक्त से मुलाकात की और उन्हें इस जगह की तस्वीरें दिखाईं। स्थानीय नागरिकों द्वारा दिखाई गई तस्वीरों को देखने के बाद, नगर निगम आयुक्त राम ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, तुरंत नगर निगम के अधिकारियों को जिला पुलिस को नोटिस जारी करने का आदेश दिया। इस बारे में और जानकारी देते हुए विपक्ष के नेता नीलेश निकम ने बताया कि बानेर रोड पर डिस्ट्रिक्ट सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस ऑफ़िस के कैंपस से बहने वाले नैचुरल नाले को ब्लॉक करने और उस जगह पर बनी बिल्डिंग को गिराने का काम चल रहा है। इस इलाके में पिछले साल मॉनसून के दौरान नाले में कचरा होने की वजह से नाले का पानी पास की अभिमानश्री सोसाइटी और दूसरी सोसाइटियों के बंगलों में घुस गया था। इस बारे में शिकायत के बाद मनपा प्रशासन ने नाले की सफाई करवाई थी। हाल ही में, डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने नाले को ब्लॉक करके कंस्ट्रक्शन शुरू कर दिया है, जिससे इस मॉनसून में भयानक हालात बनने की संभावना है। नाले का इंस्पेक्शन करने गए लोगों को पुलिस रोक रही है।

आईटी सिटी हिंजवाड़ी में बवालः मेले के विवाद में युवक ने की हवा में फायरिंग

मुन्ना मुजावर

पिंपरीः यात्रा के दौरान शोर मचा रहे व्यक्ति को जब गांव के पुराने पुलिस ऑफिसर ने समझाने की कोशिश की, तो उसने पुलिस ऑफिसर की ही पिटाई कर दी। इसलिए, जब पुलिस ऑफिसर पीटने वाले व्यक्ति के मालिक को बताने गया, तो एक युवक ने उसे पकड़ लिया और अपनी पिस्तौल से हवा में तीन गोलियां चलाईं।

यह घटना रविवार (19 अप्रैल) रात करीब 10:30 बजे भोइरवाड़ी, मान, मुलशी तालुका में हुई। पुलिस ने मयूर कालूराम भोइर को गिरफ्तार कर लिया है। उसके और पांच अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। तुकाराम नाथू भोइर (उम्र 55, निवासी भोइरवाड़ी, मान, तालुका मुलशी) ने हिंजेवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

हिंजेवाड़ी पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर बालाजी पंधारे ने इस बारे में जानकारी दी। अक्षय तृतीया के दिन मुलशी तालुका के मान गांव में यात्रा निकाली जाती है।

यात्रा के मौके पर एक शो का आयोजन किया गया था। रविवार रात करीब 9 बजे, जब भोइरवाड़ी में दत्ता मंदिर के सामने शो चल रहा था, तो एक आदमी स्टेज के पास खड़ा होकर नाच रहा था और शोर मचा रहा था। तो शिकायत करने वाला तुकाराम, जो गांव का एक पुराना पुलिस इंस्पेक्टर है, उसे समझाने गया। उस समय आरोपी ने तुकाराम को गाली दी और पीटा और वहां से चला गया।

तुकाराम ने इस बारे में आरोपी के मकान मालिक को बताया। मकान मालिक ने समझाने के बजाय तुकाराम से बहस कर ली। उस समय मयूर ने अपनी पिस्तौल से हवा में तीन गोलियां चलाईं। फायरिंग के बाद तुकाराम और उसके साथ के लोग डर के मारे भाग गए। घटना की जानकारी मिलने पर हिंजेवाड़ी पुलिस मौके पर पहुंची। हिंजेवाड़ी पुलिस जांच कर रही है।

कार्रवाई का डर दिखाकर बुजुर्ग महिला से 43 लाख की ठगी, ठगों ने ऐसे रचा जाल

मुन्ना मुजावर

पुणेः साइबर चोरों ने कार्रवाई का डर दिखाकर सहकारनगर इलाके की एक बुजुर्ग महिला से 43 लाख रुपये ठग लिए। सहकारनगर पुलिस ने इस मामले में साइबर चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

इस बारे में एक बुजुर्ग महिला ने शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता 68 साल की बुजुर्ग महिला संतनगर इलाके में रहती हैं। साइबर चोरों ने कुछ दिन पहले उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क किया था। चोरों ने नासिक के पंचवटी पुलिस स्टेशन से बोलने का नाटक किया। चोरों ने उन्हें डर दिखाया कि बैंक अकाउंट का इस्तेमाल ब्लैक मनी के लेन-देन में हुआ है, और पुलिस इस मामले में कार्रवाई करेगी। इसके बाद चोरों ने गिरफ्तारी का डर दिखाया।उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्हें सीनियर अधिकारियों से बात करनी होगी और पैसे भी तुरंत देने होंगे। शिकायतकर्ता महिला डर गई क्योंकि चोरों ने डर दिखाया और 8 से 15 अप्रैल के बीच बिना चेक किए समय-समय पर चोरों के अकाउंट में पैसे जमा करवाए। चोरों के अकाउंट में कुल 43 लाख सात हजार रुपये जमा हो गए। ठगे जाने का एहसास होने के बाद, उसने हाल ही में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर विट्ठल पवार जांच कर रहे हैं।पिछले साल से ED, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, ऍंद जैसी सेंट्रल जांच एजेंसियों की कार्रवाई के डर से धोखाधड़ी के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। साइबर चोरों ने अब तक लोगों से करोड़ों रुपये ठगे हैं।

पाषाण में सुरक्षा गार्ड को धमकाकर 40,000 रुपये नकद लूटे गए

मुन्ना मुजावर

पुणेः पाषाण इलाके में एक सिक्योरिटी गार्ड को धमकाकर 40,000 रुपये कैश लूट लिए गए। इस मामले में बाइक सवार चोर और उसके साथी के खिल ाफ केस दर्ज किया गया है। शमसुद्दीन उर्फ समीर चांदसाहेब काकेरी (उम्र 26, अभी पाषाण के कीर्ति गार्डन में रहते हैं, मूल रूप से कर्नाटक के रहने वाले हैं) ने इस बारे में बाणेर पुलि स स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। उनकी शिकायत के अनुसार, बाइक सवार चोर और उसके साथी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस की दी गई जानकारी के अनुसार, काकेरी पाषाण इलाके में सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं।12 अप्रैल को शाम करीब 5:30 बजे काकेरी और उनका दोस्त पाषाण के सुतारवाड़ी इलाके से निकल रहे थे। उसी समय बाइक सवार चोरों ने काकेरी और उनके दोस्त को रोका। चोरों ने उन्हें यह कहकर धमकाना शुरू कर दिया कि तुमने हमारा डेबिट कार्ड ले लिया है। चोरों ने काकेरी की तलाशी लेने का नाटक किया। इसके बाद, उन्होंने उन्हें धमकाया और उनकी जेब से 40,000 रुपये कैश निकाल लिए। काकेरी चिल्लाया। चोर उसकी जेब से कैश चुराकर भाग गए। काकेरी ने गांव में पैसे भेजने के लिए कैश निकाला था और अपनी जेब में रख लिया था। कैश चोरी होने की घटना के बाद वह डर गया। उसने हाल ही में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया है और ण्ण्ऊ्न फुटेज चेक की है। असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर दबेराव जांच कर रहे हैं। नरहे इलाके में शराब की दुकान पर काम करने वाले एक युवक से हाल ही में 2 लाख रुपये कैश चोरी होने की घटना हुई थी। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री पद पर महिलाओं की भागीदारी तय करे BJP – सुषमा अंधारे का जोरदार हमला

मुन्ना मुजावर

पुणेः 'अगर भारतीय जनता पार्टी सच में प्रोग्रेसिव है, तो अगर वह 2029 लोकसभा में सत्ता में आती है, तो उसे महाराष्ट्र में एक महिला प्रधानमंत्री और एक महिला मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। इसी तरह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक सरसंघचालक के पद पर भी एक महिला को ही नियुक्त किया जाना चाहिए। हम इसका भी समर्थन करेंगे,' शिवसेना (उद्धव ठाकरे) पार्टी की प्रवक्ता सुषमा अंधारे ने आज पुणे में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनौती दी।

केंद्र में महिला आरक्षण बिल का विपक्ष द्वारा विरोध किए जाने के बाद, राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कल विपक्ष की कड़ी आलोचना की। इसके जवाब में, सुषमा अंधारे ने आज इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री के अलग-अलग मुद्दों का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने कल कहा था कि 'विपक्ष ने बिल का भ्रूण हत्या कर दी।' अंधारे ने इस पर आपत्ति जताई। '1951 में, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने सबसे पहले यह बिल पेश किया था। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और जनसंघ के मदन मोहन मालवीय ने इसका विरोध किया था। बाबासाहेब अंबेडकर ने इस भावना के साथ इस्तीफा दे दिया कि वे महिलाओं को न्याय नहीं दिला सकते। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछा, 'अगर फडणवीस कह रहे हैं कि यह बिल विपक्ष की वजह से पास नहीं हो सका, तो क्या मुख्यमंत्री फडणवीस भी इस्तीफा देंगे।'

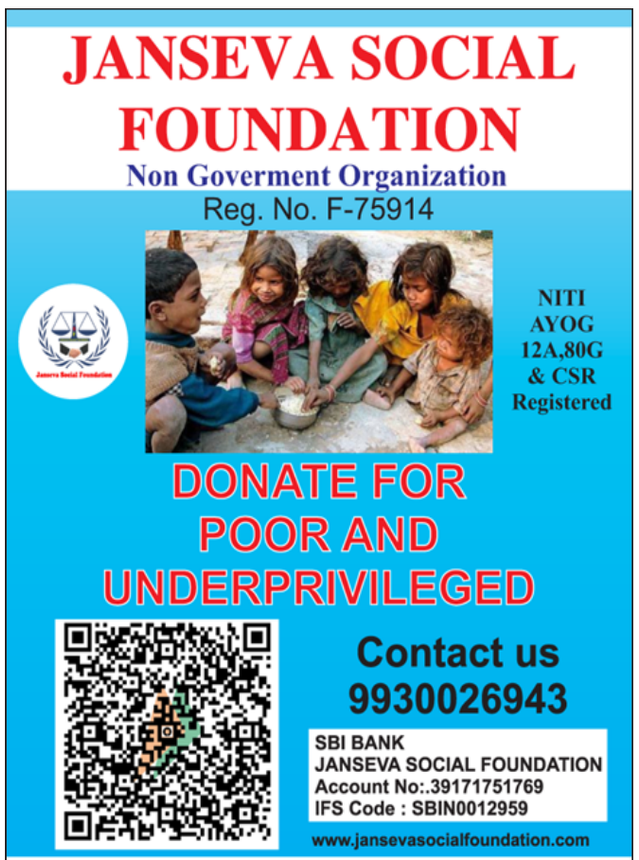

गंगा विलेज में हाजियों की गुलपोशी का प्रोग्राम बड़े उल्लास से सम्पन्न, मौलाना साहब ने हज के तअल्लुक से खिताब फरमाया

मुन्ना मुजावर

पुणे हड़पसर गंगा विलेज परिवार की जानिब से मुक़द्दस हज सफ़र पर रवाना होने वाले हज़रात के सम्मान में एक शानदार गुलपोशी व खैर्मक़्दम प्रोग्राम का एहतिमाम किया गया। यह मुबारक प्रोग्राम जुमा, 17 अप्रैल 2026 को शाम 7:00 बजे, श्री छत्रपति शिवाजी महाराज सभागृह, गंगा विलेज क्लब हाउस में आयोजित हुआ।

इस मौके पर गंगा विलेज के तमाम मेम्बरान और अहल-ए-मोहल्ला बड़ी तादाद में मौजूद रहे। हज पर जाने वाले अफ़राद की गुलपोशी की गई और उनके लिए खुसूसी दुआओं का एहतिमाम किया गया। पूरा माहौल दीनियत, मोहब्बत और अखुव़्वत से सराबोर रहा।

इस मुबारक मौके पर मौलाना साहब ने हज के तअल्लुक से बेहद अहम और नसीहत भरी तकरीर फरमाई, जिसमें उन्होंने हज की फ़ज़ीलत, अहमियत और आदाब पर रौशनी डाली। उनके बयान से तमाम हाज़रीन को दीन की अहम बातें सीखने का मौक़ा मिला।

प्रोग्राम की सदारत चेअरमन जनाब योगेंद्र गायकवाड़ ने की, जबकि सेक्रेटरी जनाब दिलावर शेख, डायरेक्टर जनाब अशफाकभाई मोमिन, वसीमभाई फरास और रियाज़भाई मुजावर भी खास तौर पर मौजूद रहे।

खव़ातीन के लिए पर्दे का मुकम्मल इंतज़ाम किया गया था, जिससे उन्होंने भी इस मुबारक महफ़िल में शरीक होकर दुआओं में हिस्सा लिया।

आखिर में तमाम हाजियों के लिए खैरियत, मक़बूल हज और सलामती की दुआ की गई।

अल्हम्दुलिल्लाह, यह प्रोग्राम बड़े उल्लास और खुशनुमा माहौल में कामयाबी के साथ सम्पन्न हुआ।

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)